satvikly

दीवाली पूजा के बाद क्या करें?

AFTER DIWALI PUJA

चौकी, कलश, मूर्तियाँ और बची हुई पूजा सामग्री संभालने का तरीका



पूजा पूरी होने पर हर वस्तु अलग सँभालें। नीचे अपने काम का पृष्ठ चुनें।

चौकी समेटने से पहले	2
लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियाँ	3
कलश का जल, नारियल और पत्ते	4
अक्षत, सुपारी, सिक्के और यंत्र	5
दीये, बर्तन और कपड़े	6
फूल, बाती, तेल और राख	7
अगली पूजा की जाँच सूची	8

चौकी समेटने से पहले ये काम करें

आरती के बाद प्रार्थना और प्रणाम करें। फिर सामग्री अलग करें।



जलता दीपक अकेला न छोड़ें

कमरे से बाहर जाने या सोने से पहले दीपक और धूप बुझा दें। बुझी धूप में सुलगता हिस्सा बाकी न हो। दीपक को पर्दे, चुनरी और माला से दूर रखें।

दीपक स्थिर, गर्मी सहने वाली थाली में रखें।

1 प्रणाम और क्षमा-प्रार्थना करें

पुष्प अर्पित करके प्रणाम करें। अपनी भाषा में कह सकते हैं: “पूजा में हुई भूलों को क्षमा करें और हमारी पूजा स्वीकार करें।” यह सरल प्रार्थना है, किसी मंत्र का पाठ नहीं।

2 समापन की प्रार्थना और मूर्ति-विसर्जन अलग हैं

पूजा के अंत में विसर्जन-प्रार्थना का अर्थ आवाहित देवता को सम्मानपूर्वक विदा करना है। इससे हर मूर्ति को जल में डालना जरूरी नहीं हो जाता। मूर्ति के लिए पृष्ठ 3 देखें।

3 प्रसाद बाँटें; फूल और भोजन अलग निकालें

प्रसाद साफ चम्मच से बाँटें। दूध वाला प्रसाद देर तक चौकी पर न छोड़ें। घर का पूजा क्रम आगे भी जारी हो तो व्यवस्था रहने दें, पर खराब भोजन और मुरझाए फूल हटा दें।

इसके बाद ही चौकी समेटें

घर का निर्धारित पूजा क्रम पूरा हो और दीपक, धूप का पात्र व राख पूरी तरह ठंडे हों। सामान उठाने से पहले गीली सामग्री के लिए थाली और सूखी वस्तुओं के लिए डिब्बा पास रखें।

प्रसाद बाँटने और रखने की जानकारी

पूजा के बाद की जानकारी ऑनलाइन पढ़ें

लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियाँ कैसे संभालें

रोज की पूजा, अगले वर्ष के लिए भंडारण और विसर्जन का तरीका अलग है।



पैकिंग का चित्रात्मक उदाहरण। मूर्ति पूरी तरह सूखी हो।

अलग लपेटें, दबाव न डालें

मूर्ति को दोनों हाथों से नीचे से सहारा दें। मुकुट, हाथ या सूँड़ पकड़कर न उठाएँ। डिब्बे में मुलायम कपड़ा लगाएँ; उभरे हिस्सों पर दबाव न पड़े।

1 मंदिर में पूजा जारी रखनी हो

मूर्तियाँ घर के मंदिर में रखें और दैनिक पूजा जारी रखें। प्राण-प्रतिष्ठित मूर्ति की सेवा बंद करने या उसे हटाने का निर्णय इस पैकिंग गाइड के आधार पर न लें; संबंधित आचार्य से विधि लें।

2 अगले वर्ष के लिए रखना हो

ढीली धूल मुलायम ब्रश से हटाएँ। रंग या सजावट उखड़ रही हो तो रगड़ें या भिगोएँ नहीं। सूखी मूर्तियाँ अलग-अलग लपेटें। खाली जगह में कपड़ा भरें और डिब्बे पर “नाजुक” लिखें।

3 परिवार की परंपरा में जल-विसर्जन हो

पहले मूर्ति की सामग्री पहचानें: कच्ची मिट्टी, पकी मिट्टी, प्लास्टर, धातु या रेज़िन। इनके लिए एक तरीका नहीं है। निकाय का ऐसा निर्धारित स्थल चुनें जो वह सामग्री स्वीकार करता हो; प्लास्टर घर में रसायन डालकर न गलाएँ।

टूटी मूर्ति या काँच वाला चित्र

हर टुकड़ा कागज में अलग लपेटकर मजबूत डिब्बे में रखें। नुकीले हिस्से ढकें। “टूटा काँच / नाजुक” लिखें। किसी मंदिर या संग्रह केंद्र में देने से पहले उसकी स्वीकृति लें।

कलश का जल, नारियल और पत्ते

कलश की पूजा पूरी होने पर चीजें एक-एक करके अलग करें।



पहले इस क्रम में खोलें

1. नारियल दोनों हाथों से उठाएँ।
2. पत्ते निकालकर अलग पात्र में रखें।
3. जल में सिक्का या सुपारी हो तो निकालें।
4. नीचे के चावल अलग इकट्ठे करें।

गीली चीजें पहले थाली में रखें। सीधे सूखे सामान के डिब्बे में न डालें।

1 नारियल · 2 पत्ते · 3 जल वाला पात्र

जल

घर में छिड़कने की परंपरा हो तो साफ, बिना मिलावट वाला जल लें। थोड़ा बचा सादा जल पौधे की जरूरत भर दें। तेल, इत्र, रंग या चमकी मिला जल न पिएँ, न पौधों में डालें; अलग पात्र में रखकर स्थानीय निपटान सेवा की विधि लें।

नारियल

बाहर का रंग और धागा हटाएँ; साफ जगह पर तोड़ें। प्रसाद के रूप में बाँटने से पहले गरी जाँचें। फफूँद, बदबू या सड़न हो तो न खाएँ। खुली गरी ढके डिब्बे में फ्रिज में रखें।

पत्ते और पात्र

पत्तों से धागा और पन्नी निकालें; छँटाई पृष्ठ 7 पर देखें। कलश के सिक्के और सुपारी अलग करें। पात्र की सफाई पृष्ठ 6 के अनुसार करें। नम पत्ते, चावल या कपड़ा उसके अंदर रखकर बंद न करें।

लघु नारियल को खाने वाला नारियल न मानें

छोटा पूजा वाला नारियल खाने के लिए हो, यह जरूरी नहीं। पैकेट पर जानकारी देखें या विक्रेता से पूछें।

अक्षत, सुपारी, सिक्के और यंत्र

इस्तेमाल न हुई सामग्री और अर्पित वस्तुओं को अलग रखें।



अक्षत

इस्तेमाल न हुए सूखे अक्षत बंद डिब्बी में रखें। रंग, तेल या राख लगे अक्षत भोजन या पक्षियों के दाने में न मिलाएँ।



सुपारी

प्रतीक के रूप में स्थापित सुपारी की पूजा पहले पूरी करें। अर्पित सुपारी को अलग रखें; खाने वाली सुपारी के पैकेट में न मिलाएँ।



कौड़ी

कौड़ियों के भीतर के मोड़ में नमी न रहे। पूरी सूखने पर गिनकर थैली में रखें। गीले फूल या चावल साथ न बाँधें।



गोमती चक्र

टूटे किनारे और दरार जाँचें। नाजुक चक्र अलग लपेटें; उन पर भारी धातु की वस्तु न रखें।



यंत्र

छपे कागज के यंत्र को समतल आवरण में रखें। धातु के यंत्र की लिखावट या परत पर खुरदरा स्क्रबर न चलाएँ।



चरण पादुका

मंदिर में रखे हों तो वहीं पूजा जारी रख सकते हैं। पैक करने पर जोड़ी गिनें और दोनों के बीच मुलायम कपड़ा रखें।

सिक्के और गहने गिनकर रखें

चावल हटाएँ, नमी पोंछें और सूखने पर थैली या डिब्बे में रखें। कपड़े की तह में सिक्का या गहना छूटा हो तो पहले निकालें।

दीये, बर्तन और कपड़े दोबारा उपयोग करें

पहले टूट-फूट देखें। साफ करने के बाद पूरी तरह सुखाएँ।



खाली, ठंडे दीये का चित्रात्मक उदाहरण।

मिट्टी के दीये

ठंडे दीये से बाती निकालें और तेल कागज से पोंछें। ढीली कालिख मुलायम ब्रश से हटाएँ। रंगे या सजावटी दीये को भिगोएँ नहीं। दरार, रिसाव या टूटे किनारे वाला दीया दोबारा न जलाएँ।



सुखाए बर्तनों का चित्रात्मक उदाहरण।

थाली, कलश और घंटी

सादे स्टील को हल्के साबुन और नरम स्पंज से धोएँ; साफ पानी से धोकर सुखाएँ। रंगी या परत चढ़ी वस्तु की धूल सूखे मुलायम ब्रश से हटाएँ। उसे खुरदरे स्क्रबर या मेटल पॉलिश से न रगड़ें; परत उतर सकती है।



कपड़ा नम हो तो बंद थैली में न रखें।

चौकी का कपड़ा और चुनरी

पहले सिक्के, पिन और फूल निकालें। धुलाई योग्य सादा कपड़ा उसके लेबल के अनुसार अलग धोएँ। चिपकी सजावट या रंग छूटने वाला कपड़ा न भिगोएँ। पूरा सूखने पर मोड़ें; कपूर या तेल की बोतल उसमें न लपेटें।

सब सामान हटने पर चौकी साफ करें

ढीले फूल और धूल हटाएँ। सतह पर पानी लगाना ठीक हो तो निचोड़े कपड़े से पोंछें। चौकी सूखने पर ही नया कपड़ा बिछाएँ या उसे पैक करें।

फूल, बाती, तेल और राख अलग करें

इन्हें एक थैली में न मिलाएँ। पहले गर्म चीजें पूरी ठंडी होने दें।



अलग पात्रों में छँटाई का चित्रात्मक उदाहरण।

1. फूल और पत्ते

धागा, पन्नी और चमकी अलग करें। बिना तेल या रंग वाले फूल सक्रिय घरेलू खाद-ढेर में डालें। 1 भाग ताजे फूल के साथ लगभग 2 से 3 भाग सूखे पत्ते मिलाएँ। तेल वाला प्रसाद इसमें न डालें।

2. धागा, पन्नी और सजावट

साबुत सजावट अगले उपयोग के लिए रखें। बाकी से साफ प्लास्टिक और धातु अलग निकालें। इन्हें जैविक कचरे में न मिलाएँ। मिली-जुली थैली मंदिर, पेड़ या नदी किनारे न छोड़ें।

3. बाती और बचा तेल

ठंडी बाती अलग रखें। थोड़ा तेल कागज से पोंछें; अधिक हो तो ढक्कन वाले पात्र में भरें। तेल नाली या घरेलू खाद में न डालें, न खाना बनाने में लें। तेल लगी बाती भी घरेलू खाद से अलग रखें।

4. राख

सुलगना बंद होने पर राख धातु के पात्र में रखें। ज्वलनशील चीजों से दूर पूरी ठंडी होने दें; गर्म राख कागज या प्लास्टिक में न भरें। ठंडी राख को उड़ने से बचाकर बंद करें। मिश्रित राख पौधों की खाद न मानें।

अंतिम संग्रह: अपने निकाय की अलग-अलग कचरा श्रेणियों में दें। फूलों के लिए उपलब्ध निर्माल्य संग्रह केंद्र चुनें; वह तेल, राख और मूर्तियाँ भी लेता हो, यह मानकर न चलें।

अगली पूजा के लिए सामग्री जाँचें

घर में बची मात्रा लिखें। फिर जरूरत के अनुसार खरीदें।



भंडारण का चित्रात्मक उदाहरण। डिब्बों पर नाम और तारीख लिखें।

- ☐ खाने की चीजें कपूर, धूप और इत्र से अलग रखें।
- ☐ सूखे पाउडर में बचा हुआ गीला लेप न मिलाएँ।
- ☐ पैकेट और बोतल बंद करें। नम या फफूँद वाली सामग्री न रखें।
- ☐ डिब्बे बदलें तो मूल पैकेट की तारीख और रखने के निर्देश साथ रखें।

अपनी सामग्री और मात्रा लिखें

सामग्री का नाम	घर में मात्रा	और चाहिए

मात्रा के साथ ग्राम, मि.ली. या नग लिखें। हर चीज अगले वर्ष तक सही रहे, यह जरूरी नहीं; पैकेट की तारीख देखें।

satvikly

॥ शुभं भवतु ॥

DIWALIPUJAKIT

पूजा किट ऑर्डर करें

लक्ष्मी-गणेश पूजा के लिए Satvikly Diwali Puja Kit देखें।
Basic में 31 और Complete में 40 प्रकार की सामग्री है।
ऑर्डर से पहले घर में उपलब्ध सामग्री जाँच लें।

QR स्कैन करें · SCAN TO ORDER

satvikly.com/product/diwali-puja-kit/

WHATSAPP/PHONE

+91 931 178 0821